VOL 1 ISSUE 12

THE SCERT BULLETIN

MARCH 2023

This issue:

निदेशक की कलम से
PAGE 01

Digital Survey for National Curriculum Framework (DiSaNC), G20 and LiFF, "A Study on the Effect of STEM for Girls Progamme on Learning Outcomes in Government Schools of Haryana"
PAGE 02

Google Form for Exchange, Handing over and Taking over of Text -Books for classes 1st to 8th,Science Lab Inspection under Science Promotion युवा ग्राम पंचायत
PAGE 03

युवा ग्राम पंचायत **contd., Vidya Amrit Mahotsav: State Level Evaluation of videos, Felicitation Ceremony for Online Course on Monitoring & Evaluation (LEAD)**
PAGE 04

Felicitation Ceremony Contd. .
PAGE 05

WORKSHOPS& TRAININGS
PAGE 06-08

MEETINGS
PAGE 09

SCERT in News
PAGE 10-12

निदेशक की कलम से

सृजनात्मकता, सकारात्मकता और नवाचार,
सीखने–सिखाने के तीन महत्त्वपूर्ण द्वार।

आज के समय में विद्यालय सामाजिक विमर्श का मुद्दा बन गया है। यह तो सर्वविदित ही है कि बालकों के घर और कक्षा के माहौल में आज भी बहुत अन्तर है। हम सबका लक्ष्य कक्षा में ऐसा माहौल तैयार करना है जिससे घर और कक्षा का अन्तर मिटे। अतः शिक्षक को एक ऐसा भावनात्मक वातावरण तैयार करना है, जहाँ सीखने के अत्यधिक अवसर उपलब्ध हों तथा गलतियों से सीखने की प्रेरणा भी हो। वर्तमान समय में बच्चों के अधिकार आधारित उपागम को यदि देखा जाए तो शिक्षा का समान अधिकार, शिक्षा तक सभी की पहुँच, सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व आनंददायी अधिगम वातावरण आदि के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु सृजनात्मकता, नवाचार और सकारात्मकता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

नए सत्र के प्रारम्भ में नयी कक्षा के साथ–साथ बालकों में एक नया उत्साह, नयी उम्मीदें, नयी जिज्ञासाओं का जन्म लेना अत्यावश्यक है। यह नवीनता उन्हें आगे बढ़ने व नया सीखने के लिए प्रेरित करती है। प्रत्येक बालक सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में अपनी गति से आगे बढ़ता है परन्तु इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि वह सीखने के प्रति लापरवाह है या फिर वह सीखने की इच्छा नहीं रखता। शिक्षक के समक्ष यह एक बड़ी चुनौती होती है कि सभी प्रकार की विविधताओं से भरे कक्ष को उसे एक साथ लेकर आगे बढ़ना है। भारत की समृद्धि तो उसकी विविधता से ही परिचय पाती है। यही विविधताएँ हमारे सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक आचरण को समृद्ध करती हैं। इसलिए कक्षा में सीखने के स्तर संबंधी विविधताओं को भी सकारात्मकता व स्नेह की दृष्टि से देखा जाना आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य बालकों को स्वयं को अभिव्यक्त करने व निखारने हेतु उन्मुक्त आकाश प्रदान करना है न कि उन्हें कुंठा व अवसाद से ग्रसित करना। सीखना–सिखाना निरन्तर एवं जीवन पर्यन्त चलने वाली क्रिया है। बालक अपरिमित क्षमताएँ लेकर जन्म लेता है और सीखने के प्रति बहुत जिज्ञासु रहता है।

शिक्षाशास्त्रियों की दृष्टि से एक बेहतर शिक्षक वह है जो सीखने–सिखाने में अपनी सोच को सर्वोपरि न मानकर बालकों की सोच और सीखने के तौर–तरीकों को महत्व देता है। बालकों के स्वयं के अनुभव सीखने की प्रक्रिया को सरल व रोचक बनाते हैं। उनके दैनिक जीवन के अनुभवों को कक्षा में विशिष्ट स्थान दिया जाना चाहिए इसलिए ज्ञानपरक समाज की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यालय तथा उसमें चलने वाली सीखने–सिखाने की प्रक्रियाओं में बदलाव आना जरूरी है। यह बदलाव लाने का कार्य मुख्य रूप से शिक्षकों और विद्यालय मुखियाओं का है। विद्यालयों में बदलाव की अनिवार्यता को साकार करने के लिए विद्यालय मुखियाओं और शिक्षकों को प्रमुख भूमिका का निर्वहन करना होगा। 'सब पढ़ें,सब बढ़ें' के लक्ष्य को सच्चे अर्थों में साकार करने के लिए विद्यालय परिवेश को सीखने–सिखाने का सकारात्मक स्थान बनाने तथा नित्य नवाचारों को कक्षीय–शिक्षण का हिस्सा बनाना अत्यावश्यक है।

डॉ. किरणमयी

Digital Survey for National Curriculum Framework (DiSaNC), G20 and LiFF

➢ DiSaNC:

A digital survey for the national curriculum framework (DiSaNC) is being conducted by CIET till 31st March 2023. Participation of all District officers, Block officers, Headmasters, Teachers, Parents & Community members is necessary in this nation-building exercise.This survey is collecting suggestions and feedback from the public at large to obtain inputs for the formulation of the National Curriculum Frameworks. Educational Technology wing conducted this survey amongst teachers of Haryana.Till 31st March **558 responses** were received because of this initiative by SCERT.

➢ G20 & *LiFE Quiz*

The Group of Twenty (G20) is the premier forum for international economic cooperation. It plays an important role in shaping and strengthening global architecture and governance on all major international economic issues. India will be hosting G-20 Summit in September 2023. The Quiz questions are designed to increase awareness about G-20 and its importance in promoting progress and development. Educational Technology Wing developed a quiz via *google forms* to collect information about participants,by creating messages and posters for outreach.

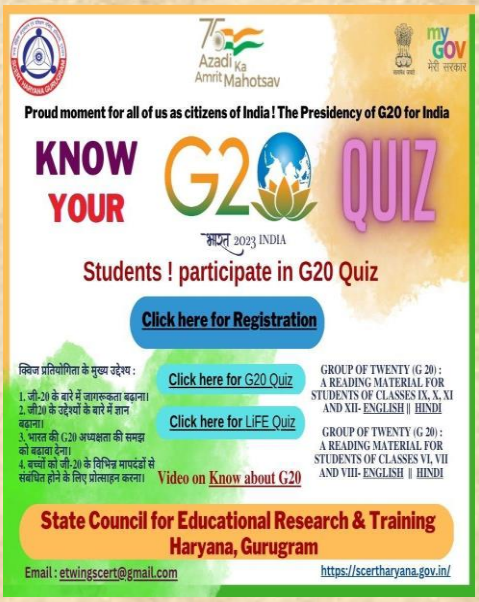

Environment and its conservation are one of the major concerns of the world today. India is committed to the protection of our mother Earth and sustainable development. The quiz on Life Style for Environment (Li.F.E.) aims at enabling young learners in schools to be conscious of the environment in which they live. They need to understand that this environment should be sustained and protected forfuture generations as it was inherited.

Educational Technology Wing shared this quiz with students viaGoogle form to collect information from participants.Till 31st March **723 responses** were received because of this initiative by SCERT.

"A Study on the Effect of STEM for Girls Progamme on Learning Outcomes in Government Schools of Haryana"

"**A** Study on the Effect of STEM for Girls Progamme on Learning Outcomes in Government Schools of Haryana" was conducted by REAP Cell. The final report was written in March 2023.

Google Form for Exchange, Handing over and Taking over of Text -Books for classes 1st to 8th

Google form was developed to collect information regarding the exchange, handing over and taking over of Text -Books for classes 1st to 8th.

Science Lab Inspection under Science Promotion

Science faculty inspected the Science Lab of Government Senior Secondary School Machhrauli Jhajjar on 17th March 2023. All the labs were found to be functional. The findings of the visit were discussed with the principal of the school and findings were noted in the visitors' register as well. The necessary instructions were also given for the improvised functionality of Lab.

युवा ग्राम पंचायत

राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् हरियाणा, गुरुग्राम की निदेशक डॉ. किरणमयी के मार्गदर्शन में दिनांक 28–03–2023 को परिषद् के प्रांगण में राज्य स्तरीय युवा ग्राम पंचायत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवा ग्राम पंचायत प्रतियोगिता राज्य में हर वर्ष एन0सी0ई0आर0टी0 के जनसंख्या शिक्षा अनुभाग द्वारा आयोजित की जाती है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य स्कूल स्तर पर विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों के साथ–साथ परिवार, समाज व देश के प्रति, अपने अधिकारों व कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक करना है।

यह कार्यक्रम हरियाणा राज्य में 2019 से राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद् हरियाणा, गुरुग्राम के जनसंख्या शिक्षा विभाग द्वारा एक पायॅलट प्रोग्राम के रूप में चलाया जा रहा है।

आज युवा ग्राम पंचायत प्रतियोगिता हरियाणा राज्य के ग्रामीण स्कूलों में युवाओं को लोकतन्त्र पंचायत के बारे में जागरूक करने का काम कर रही है। इस प्रतियोगिता को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। हरियाणा राज्य में इस कार्यक्रम में अम्बाला, हिसार व नूहँ जिले के 55 खंडों में (प्रति खंड 50 बच्चों ने) कुल 2750 बच्चों ने भागीदारी की है।

परिषद् में राज्य स्तरीय युवा ग्राम पंचायत पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर जनसंख्या शिक्षा विभाग की अनुभागाध्यक्ष श्रीमती विनय जैन ने युवा ग्राम पंचायत प्रतियोगिता के बारे में बताया कि यह प्रतियोगिता हरियाणा राज्य में हिसार, अम्बाला कमिश्नरी एवं नूहँ जिले में खंड स्तर से शुरू होकर जिला, मण्डल एवं राज्य स्तर तक आयोजित की गई। राज्य स्तर पर प्रथम रहने वाली टीम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बानी, जिला कुरुक्षेत्र ने युवा ग्राम पंचायत पर अपनी प्रस्तुति दी तथा पंचायत के माध्यम से समाज के ज्वलंत मुद्दों पर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

राज्य स्तर पर प्रथम स्थान पर (पुरस्कार राशि 5,000/–) राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बानी,जिला कुरुक्षेत्र, द्वितीय स्थान पर (पुरस्कार राशि 3,000/–) राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोची चोबारा, फतेहाबाद और तृतीय स्थान पर (पुरस्कार राशि 2,000/–) राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिजवाली, सिरसा की टीमों को परिषद् के उपनिदेशक श्री सुनील बजाज द्वारा प्रमाण पत्र

व स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया गया। ग्रामीण परिवेश से जुड़ी हर समस्या के प्रति छात्रों को जागरूक करना भी इस प्रतियोगिता की विशेषता है।

Vidya Amrit Mahotsav: State Level Evaluation of videos

In Vidya Amrit Mahotsav, after selection of district level top videos by DIETs, a meeting for discussing the guidelines for state level selection was conducted by CIET-NCERT on **9th March 2023.**

Based on guidelines given by CIET-NCERT, a state-level committee was formed to further select the videos at the state level. At the district level, 22 videos were selected from all nominated videosby DIETs. A collection of all 22 videos was uploaded on DIKSHA and a poster for its outreach has been shared in the field. Through this poster, all school teachers/students were requested to rate these videos. Based on the Outreach score and State committee evaluation, in the final stage top three videos were selected and submitted to NCERT for national-level selection.

Felicitation Ceremony for Online Course on Monitoring & Evaluation (LEAD)

Leadership Enhancement and Academic Development (LEAD) is an online learning program for the capacity building of state education department officers. The program offers online courses with a platform for peer learning that enables officers to hone their professional skills like Team Management,

Monitoring & Evaluation etc. A similar pilot course on Monitoring& Evaluation with 76 participants comprising DIET representatives and CRC Heads (41 from DIETs and 35 CRC Heads) was organized by the Educational Technology wing in the council. Out of the 76 participants, 53 participants successfully completed the course. The major focus of the course was on the concepts of monitoring and evaluation, program planning, monitoring system, types of data collection, Kirkpatrick, and counterfactual evaluation methods.

Session#	Type	Session Topic	Session Details	Facilitator
1	Welcome and Introduction	Welcome	- Welcoming the participants - Settling down + Attendance Sheet	Dr. Ruchika, SCERT Haryana
2	Speaker Session	Introduction	- Context setting - Agenda Explanation - Glimpses of Pilot course	Shri. Manoj Kaushik, SCERT Haryana
			Tea break	
3	Success Stories	Testimonials sharing	- Participants sharing their experiences and learnings from the courses	Participants
4	Technical Session	Recap of 3 Modules of LEAD	- Monitoring & Evaluation - Backward Planning - Monitoring tools - Data Collection methods - Evaluation Models	Shubham Gupta, LFE
			Lunch break	
5	Orientation	Scale-up of LEAD	- Sharing details of the scale-up course with the participants	Shri. Manoj Kaushik, SCERT Haryana
6	Felicitation	Certificates Distribution	- Felicitating successful participants - In order; Basic, intermediate, advanced	Smt. Ritu Chaudhary, Dy Director - SCERT Haryana
7	Vote of thanks	Close of session	- Speaker closes out the session and expresses gratitude to the participants and Director Sir	Shri. Kuldeep Birwal SCERT Haryana
			Tea & Departure	

The successful participants were felicitated by the council in a 1-day felicitation ceremony on **20.03.23.**

The main purpose of the felicitation ceremony was:

1. To felicitate the successful participants

2. Refresher training for the participants

3. Orientation on the scale-up program

A total of **38 participants** marked their presence at the event. Participants were felicitated by the august presence of Deputy Director Ms. Ritu Chaudhary, Deputy Director Shri Sunil Bajaj and Head Educational Technology Wing Shri Manoj Kaushik along with other SCERT officers and representatives from *Leadership for Equity*.

WORKSHOPS& TRAININGS

➢ One-Day Workshop on the Role of Mother Tongue in Students'Academic Achievement

"The Mother Language is not a barrier in communication, it is in fact a carrier."

Language Learning is an active process that begins at birth and continues throughout life. Students learn the language as they use it to communicate their thoughts, feelings and experiences with family members and friends and strive to make sense and order of their world. All students can be successful learners. Responsibility for language learning is shared by students, parents, teachers, and the community. Students require ongoing opportunities to use language in its many forms.Reading has no meaning without comprehension. Reading Comprehension makes reading enjoyable and informative. Comprehension adds meaning to what is read. Reading comprehension occurs when words on a page are not just words but thoughts and ideas. In fact, comprehension refers to the ability to understand written words. It is different from the ability to recognize words.

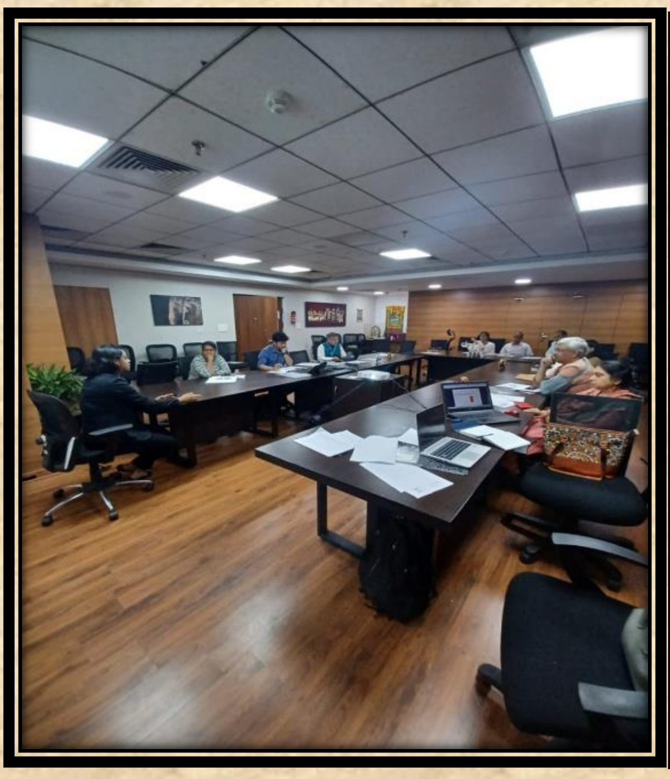

In this regard American Institute of Research organized a workshop on 22.03.2023 on the topic '**Access to Language of Education on Educational Achievement: Evidence from India.'** The primary goal of the workshop was to examine the relationship between students' access to opportunities for learning in their mother tongue and their academic achievement, especially with regard to foundational literacy and numeracy outcomes in line with NIPUN BHARAT priorities. AIR is planning to conduct a study on this to build empirical evidence on Indian Education stakeholders' perceptions on Multilingual Education and its association with student achievement.

Keeping all this in mind American Institute of Research in collaboration with UNESCO conducted a meeting just to understand the Role of multilingualism and mother tongue Dr. Tanu Bhardwaj and Dr. Dinesh Phogat from SCERT attended this meeting in UNESCO and represented Haryana State.

Workshop on 'Review and Finalisation of MOOCs Proposals Developed by SRGs' at RIE Ajmer

State Resource Group of Haryana participated in a 3 days' workshop on '***Review and Finalisation of MOOCs Proposals Developed by SRGs***' at RIE Ajmer during 13-15 March, 2023. Total participants were 30 from 8 Northern States of India. Sh. Manoj Kaushik participated in this workshop as a Resource Person and team lead Haryana.

Participants from Haryana

1. Sh. Kuldeep Birwal, SCERT Haryana
2. Ms. Jasneet Kaur, SCERT Haryana
3. Sh. Jaswinder Singh, Principal, Kaithal
4. Dr. Sandeep Kumar, DIET Kurukshetra
5. Dr. Dalbir, DIET Kaithal

Focus areas

1. Finalization of MOOCs proposal of States (10 states).
2. Script writing for Introductory Video.
3. Recording of Introductory Video.
4. Finalization of Introductory Video.

Roadmap:

Based on the plan submitted by SCERT Haryana will start the implementation of MOOCs, in the session 2023-24.

Training of Master Trainers for the Remedial Teaching Program

The remedial teaching learning material (Student Practice Worksheets and Teachers' Manuals) for classes 6th to 8th was developed by Team SCERT. For these classes, 5 subjects have been covered in this study material. The study material will be made available for the students & teachers in April 2023.
Since the entire material is new for teachers and students to use, subject-wise in-person pedagogy training was required for the objective usage of this material.
Therefore, training in face-to-face mode was organized by the Curriculum and Pedagogy Department on the 27th and 29th of March 2023 for BRPs to enable them to be Master Trainers. Furthermore, these master trainers will impart training to a total of 13580 TGTs at the block level on the use of the TLM and classroom conduction of remedial programs in grades 6th-8th.

Remedial Training Sessions for BRPs

Science wing enthusiastically conducted the one-to-one sessions with BRPs from various parts of the state. All three wing members Mrs. Savita Ahlawat, Dr Sanjay Prakash Kaushik and Dr. Jyoti Arora - conducted various sessions on Introduction to classroom teaching learning cycle, Students' identification and grouping for remedial teaching, Identification of class room activities for remedial, techniques to ensure students' participation, At home activities for remedial practices and tracking student progress. The participants actively participated in all the group activities and assured to replicate all the good practices of this orientation session for coming block level trainings as well.

Mentor Capacity Building Training (Sahyogi refresher training)

A two days refresher training for all **240 Sahyogis** was conducted on **2nd and 3rd March 2023** in virtual mode in two batches of 120 each. The agenda of the training was to refresh all the models and points of Safal Utsav celebrated from 26th April 2022 to 30th April 2022. This refresher training was organized to help Sahyogis, for conducting mentor capacity-building training for all mentors in face-to-face mode at the block level.

MEETINGS

Meeting on PAL Content Review (Tablet Project)

As per the direction of the Academic cell, Directorate School Education, Panchkula a committee of 15 subject specialists was created on **14 Feb 2023** for the work of PAL content review of subjects - Hindi, English, Social Science (9th-10th class) and Hindi, English (11th-12th class). An orientation-cum-training was organized on **13 March 2023** in face-to-face mode by DSE Haryana. In this orientation Script writing and video recording work was discussed. This program is now coordinated byEducational Technology wing.

MIP-DIKSHA Pre-launch/Preparation Meeting with CIET- NCERT

SCERT Haryana is going to launch a new micro improvement project '**AaoSchool Chalein'** in the months of April and May 2023. Preparation meetings were conducted for the same on **10th March 2023** and **27th March 2023**. Some glimpses of meetings:

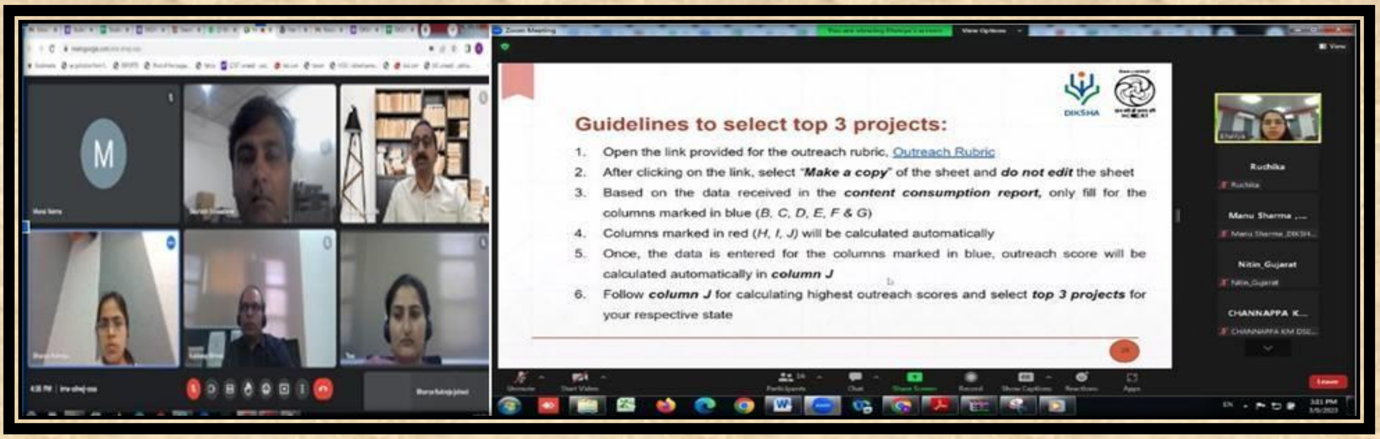

Monthly review meeting with DIET ET wings

As a part of our monthly monitoring process, ET Wing – SCERT Haryana organizes monthly review meetings with the ET wing officials of all the DIETs regularly. Purpose of this meeting is to make them aware of the latest initiatives by National and State Departments like MoE,NCERT,NIEPA,DSE,SPD etc. With these meetings, necessary orientations on new projects, feedback on ongoing programs and felicitations of team members being done in Online/offline modes.

In March month the agenda for meeting was as follows: -

1. DIET Empowerment on DIKSHA: MLP.
2. Orientation on VAM evaluation process on DIKSHA.
3. Issues with Monthly Reporting by DIETs.
4. Cyber safety level-1 progress

DIKSHA Coordinators meeting conducted by CIET-NCERT

As a continuous practice by CIET-NCERT, monthly meetings are organized for all states for discussing the progress by states and UTs, on DIKSHA. March-month meeting was organised on **29th March 2023** for all state DIKSHA Coordinators. NCERT presented the future work plans to be done through DIKSHA e.g Micro-Learning Programs and Micro Improvement Projects, which need to be initiated by the state itself.

SCERT in News

डा. किरणमयी को मिला एससीईआरटी का प्रभार

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम : माध्यमिक शिक्षा हरियाणा की अतिरिक्त निदेशक डा. किरणमयी को राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। परिषद के संयुक्त निदेशक अनिल शर्मा, सुनीता पवार, उपनिदेशक सुनील बजाज समेत सभी विभागों के अध्यक्ष और विषय विशेषज्ञों ने डा. किरणमयी का स्वागत किया।

डा. किरणमयी

डा. किरणमयी ने बताया कि उनका परिषद की कार्यशैली से पहले से ही परिचय है। पहले एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक और निदेशक दोनों पदों पर कार्य कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र में नई शिक्षा नीति 2020 को आधार बनाकर प्रशिक्षण और अन्य शोध कार्यों हेतु विशिष्ट रणनीति के तहत कार्य करने की प्राथमिकता रहेगी। विषय विशेषज्ञ डा. तनु भारद्वाज ने बताया कि हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में एससीईआरटी प्रांगण में हवन कराया गया।

एनबीटी न्यूज, गुड़गांव : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में मंगलवार को राज्य स्तरीय युवा ग्राम पंचायत प्रतियोगिता हुई। छात्रों ने ग्राम पंचायत के कार्यों के बारे में जानकारी दी। परिषद की निदेशक डॉ. किरण मयी ने बताया कि युवा ग्राम पंचायत के माध्यम से समाज के ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। इसमें नशा के खिलाफ अभियान, स्वच्छता व सफाई, खेल के मैदान, स्कूलों में पढ़ाई सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। SCERT के जनसंख्या शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित हुई ग्राम युवा पंचायत का उद्देश्य युवाओं में नैतिक मूल्यों एवं जीवन कौशल का विकास करना है। छात्रों के अपने परिवेश, कर्तव्यों व अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए संप्रेषण कला को निखारने के लिए एक आदर्श उदाहरण दिया।

एससीईआरटी में शिक्षकों के प्रशिक्षण की नीति हो रही तैयार

गुरुग्राम। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम (एससीईआरटी) में नए शैक्षिक सत्र 2023-24 के तहत शिक्षकों के प्रशिक्षण की नीति तैयार की जा रही है। हरियाणा शिक्षा विभाग की ओर से पाठ्यक्रम में योगा और नैतिक शिक्षा के विषय भी जोड़े जा रहे हैं।

विभाग की ओर से सभी विषयों के शिक्षकों को निपुण हरियाणा मिशन, निष्ठा कार्यक्रम सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षण दिया जाता है। परिषद की राज्य समन्वयक डॉ. तनु भारद्वाज ने बताया कि नए सत्र में प्रशिक्षण देने से पहले एससीईआरटी की ओर से फील्ड सर्वेक्षण किया जाएगा। सरकारी

फील्ड सर्वेक्षण के उपरांत दिया जाएगा शिक्षकों को प्रशिक्षण

स्कूलों की कक्षाओं में शैक्षिक अधिगम की वास्तविकता स्थिति को जानने के उपरांत ट्रेनिंग नीड असेसमेंट (टीएनए) आधारित विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक ग्रुप ए, बी, सी व डी के लिए विशिष्ट योजना बनाई जा रही है, जिसके तहत ही प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएंगे। एससीईआरटी निदेशक महाबीर प्रसाद ने कहा कि प्रशिक्षण के तीन माह पश्चात प्रशिक्षण प्रभाव की जांच संबंधित सर्वेक्षण भी किया जाएगा। संवाद

डॉ. किरणमयी ने फिर संभाला एससीईआरटी निदेशक का कार्यभार

गुड़गांव | राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद हरियाणा के निदेशक पद का कार्यभार एक बार फिर डॉ. किरणमयी ने संभाल लिया है। डॉ. किरणमयी एससीईआरटी के निदेशक पद के अलावा माध्यमिक शिक्षा हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक के पद पर भी पूर्ववत कार्य करती रहेंगी। इस अवसर पर परिषद के संयुक्त निदेशक अनिल शर्मा, सुनीता पंवार, उपनिदेशक सुनील बजाज समेत सभी विभागों के अध्यक्ष व विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। डॉ. तनु भारद्वाज ने बताया कि डॉ. किरणमयी के कुशल निर्देशन में परिषद आगामी सत्र के विविध कार्यक्रमों की रणनीति तैयार करेगी व प्रशिक्षण के लिए वार्षिक कैलेंडर पर भी कार्य किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

प्रथम स्थान पर रही जिला कुरुक्षेत्र टीम को 5,000, द्वितीय स्थान पर रही फतेहाबाद की टीम को 3,000 रुपये का पुरस्कार दिया गया

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम: एससीईआरटी में राज्य स्तरीय युवा ग्राम पंचायत प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। परिषद की निदेशक डा. किरणमयी ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रदेश में वर्ष 2019 से एससीईआरटी के जनसंख्या शिक्षा विभाग द्वारा पायलट प्रोग्राम के रूप में चलाया गया था। यह युवा ग्राम पंचायत प्रतियोगिता प्रदेश के ग्रामीण स्कूलों में युवाओं को लोकतंत्र पंचायत के बारे में जागरूक कर रही है। परिषद की जनसंख्या विभाग की विभागाध्यक्ष विनय जैन ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम रहने वाली जिला कुरुक्षेत्र की टीम ने युवा ग्राम पंचायत की प्रस्तुति दी। परिषद के उपनिदेशक सुनील बजाज ने प्रथम स्थान पर रही जिला कुरुक्षेत्र टीम को 5,000, द्वितीय स्थान पर रही फतेहाबाद की टीम को 3,000 और तृतीय स्थान पर रही हिसार की टीम को 2000 रुपये और प्रमाण-पत्र तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जनसंख्या शिक्षा अनुभाग से सुनीता सहरावत, सुंदर राणा और विजेंद्र गौड़ मौजूद रहे।

प्रतियोगिता की विजेता टीमों को एससीईआरटी में किया पुरस्कृत

संवाद न्यूज एजेंसी

गुरुग्राम। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम (एससीईआरटी) में बुधवार को आयोजित युवा संसद प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल घारौली, लाखन माजरा (रोहतक) के विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी।

युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार की ओर से गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर संसदीय कार्य मंत्रालय के उप सचिव एबी आचार्य ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया।

परिषद की निदेशक डॉ. किरण मयी के मार्गदर्शन में आयोजित हुई प्रतियोगिता का उद्देश्य लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने, दूसरे के विचारों को स्वीकारने, स्वस्थ आदतों को स्वीकारने, अपना मत प्रस्तुत करने और युवाओं को संसद के कामकाज की जानकारी देने के लिए किया गया।

बीते मंगलवार को कुरुक्षेत्र जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल बानी के छात्र-छात्राओं ने युवा ग्राम पंचायत प्रतियोगिता में प्रस्तुति दी थी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को ग्राम पंचायत के कार्यों के बारे में जानकारी दी गई।

एससीईआरटी की जनसंख्या शिक्षा विभागाध्यक्ष विनय जैन ने बताया कि इस वर्ष युवा संसद प्रतियोगिता में 595 स्कूलों, 1200 शिक्षकों व 30 हजार विद्यार्थियों प्रतिभाग किया है, जो एक कीर्तिमान है। राज्य स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करने वाली राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल विद्यालय घारौटी लाखन माजरा को 10 हजार रुपये पुरस्कार राशि दी गई।

द्वितीय स्थान पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल पृथला (पलवल) को सात हजार रुपये और तृतीय स्थान पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल गुडियाखेड़ा, नाथूसराय चैपटा (सिरसा) को 7000 रुपये पुरस्कार राशि, प्रमाण पत्र और ट्रॉफी वितरित की गई। के तौर वितरित की गई। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक सुनीता पंवार, उपनिदेशक सुनील बजाज, जनसंख्या शिक्षा अनुभाग से सुंदर सिंह राणा, सुनीता चौधरी, पूनम सिंह व नवीन सहित अन्य अनुभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ ही कौशल विकास की बनी योजना

संवाद न्यूज एजेंसी

गुरुग्राम। नई शिक्षा नीति-2020 में शिक्षा के साथ ही विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। शिक्षा विभाग की ओर से स्कूली पढ़ाई के साथ ही रोजगारपरक शिक्षा देने की कवायद शुरू की हुई है। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ या नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क) के तहत सरकारी स्कूलों में 11 कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रिक और रोबोटिक कोडिंग का प्रशिक्षण चयनित सरकारी स्कूलों में छठी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को पायलट प्रोजेक्ट के तहत दिया जा रहा है। जल्द ही सभी स्कूलों में यह कोर्स शुरू होने की उम्मीद है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम (एससीईआरटी) में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए उद्देश्य से शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाता है। परिषद के निदेशक महाबीर प्रसाद का कहना है कि वर्तमान समय में शिक्षा को रोजगारपरक बनाना समय की मांग है। ऐसे में स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में रोजगार से जुड़े विषयों को शामिल किया जा रहा है। ताकि शिक्षा ग्रहण करने के उपरांत युवाओं को नौकरी व रोजगार के लिए भागदौड़ न करनी पड़े। नौवीं से 12वीं कक्षा तक अलग-अलग 11 विषयों की रोजगार संबंधित शिक्षा दी जा रही है। एनएसक्यूएफ के तहत कोर्स करने के उपरांत विद्यार्थियों के लिए रोजगार मेले भी लगाए जाते हैं।

शिक्षा सत्र की शुरुआत से ही चलाए जाएंगे शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम

सोनिया • गुरुग्राम

आगामी शैक्षणिक सत्र 2023-24 की शुरुआत से ही शिक्षकों के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होंगे। राज्य शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के विशेषज्ञों ने अध्यापक शिक्षण-प्रशिक्षण वार्षिक कैलेंडर तैयार कर निदेशालय को भेज दिया है। इस कैलेंडर के अनुसार अब अप्रैल से ही शिक्षकों के विभिन्न प्रशिक्षण शुरू करा दिए जाएंगे ताकि इसी सत्र में प्रशिक्षण का पूरा लाभ मिल सके।

पहले अगस्त में शुरू होते थे प्रशिक्षण कार्यक्रम: गत वर्षों में शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम अगस्त में शुरू होते थे और जनवरी-फरवरी तक चलते थे।

इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई भी बाधित होती थी लेकिन इस सत्र में शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। नए सत्र के लिए तैयार अध्यापक शिक्षण-प्रशिक्षण वार्षिक कैलेंडर के अनुसार अब अप्रैल से ही शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होंगे और सितंबर तक चलेंगे। निर्णय लिया गया है कि परीक्षाओं से पहले शिक्षकों का कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं कराया जाएगा। इस दौरान केवल उन्हीं शिक्षकों को बुलाया जाएगा जिनकी परीक्षा के दौरान ड्यूटी न लगी हो।

प्रशिक्षण को इस सत्र में अप्रैल से प्रारंभ करने की पूरी रणनीति तैयार की जा रही है। समय पर प्रशिक्षण प्रारंभ करने से वास्तविक उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सकती है। कक्षा में शिक्षण अधिगम की वास्तविक स्थिति को जानने को लेकर भी आगामी सत्र में नई योजनाएं बनाई जा रही हैं। अब शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों हेतु विशिष्ट योजना बनाकर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

– **महावीर प्रसाद**, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद

समय से बजट नहीं मिलने से प्रशिक्षण में देरी

शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम कराने को लेकर शिक्षा विभाग और शिक्षा मंत्रालय से बजट आता है। इसके बाद ही प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होते हैं। पहले देरी से बजट मिलने के कारण अगस्त-सितंबर में शिक्षकों के प्रशिक्षण कराए जाते थे लेकिन इस बार पहले ही प्लान बनाकर एससीईआरटी की ओर से शिक्षा विभाग को बजट के लिए लिख दिया गया है। अप्रैल तक बजट मिलने की उम्मीद है। प्रशिक्षण से पूर्व प्री टेस्ट और बाद में पोस्ट टेस्ट तथा फीडबैक पर विशेष फोकस रहेगा।